राष्ट्रीय संगोष्ठी

कृषि एवं पर्यावरण : अवसर व चुनौतियाँ

(दिनांक : 13–14 मार्च 2013)

आयोजक

भारतीय मृदा लवणता एवं जल गुणवत्ता सोसायटी
(इंडियन सोसायटी ऑफ सोइल सेलिनिटी एण्ड़ वाटर क्वालिटी)
एवं
केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल

पंजीकरण आवेदन पत्र

1. पूरा नामः
2. पद :
3. संस्थानः
4. पत्र व्यवहार का पताः
5. ई–मेल
6. फोन/मोबाइलः

आप इंडियन सोसायटी ऑफ सोइल सेलिनिटी एवं वाटर क्वालिटी के सदस्य/आजीवन सदस्य हैं?

हाँ/नहीं

शोध पत्र का क्षेत्र व शीर्षक

अन्य साथी, यदि कोई है:

नाम.....

पंजीकरण शुल्क का ब्यौराः राशिः .....

मांग पत्र संख्या..... दिनांक.....

बैंक का नाम व शाखा.....

दिनांक..... हस्ताक्षर.....

सलाहकार समिति (Advisory Committee)

अध्यक्ष

डा. एस. अय्यप्पन, सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली

सदस्य

डा. जे.एस. सामरा, सी.ई.ओ. एन.आर.ए.ए. भारत सरकार, नई दिल्ली
डा. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, कृ.वै.च.बो. एवं पूर्व निदेशक, के.मृ.ल.अ.सं. करनाल
डा. ए.के. सिक्का, उप महानिदेशक (प्रा.सं.प्र.), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली
डा. डी.आर. भूम्बला, पूर्व निदेशक, के.मृ.ल.अ.सं. करनाल
डा. आई.पी. अबरोल, निदेशक, कासा एवं पूर्व निदेशक, के.मृ.ल.अ.सं. करनाल
डा. एन.टी. सिंह, पूर्व निदेशक, के.मृ.ल.अ.सं. करनाल
डा. एन.के. त्यागी, पूर्व निदेशक, के.मृ.ल.अ.सं. करनाल
डा. दिनेश कुमार शर्मा, निदेशक, के.मृ.ल.अ.सं. करनाल एवं अध्यक्ष ISSSWQ

नियंत्रण समिति (Steering Committee)

अध्यक्ष

डा. ए.के. सिक्का, उप महानिदेशक (प्रा.सं.प्र.), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली

सदस्य

डा. बी. मोहन कुमार, सहायक महानिदेशक (स.वि.एवं कृ.वा.), भा.कृ.अनु.प. नई दिल्ली
डा. ए.के. श्रीवास्तव, निदेशक, राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल
डा. बी.के. जोशी, निदेशक, राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्युरो, करनाल
डा. (श्रीमती) इंदु शर्मा, निदेशक, गेंहू अनुसंधान निदेशालय, करनाल
श्री संदीप गर्ग, प्रबंध निदेशक, HLRDC पंचकुला
डा. अनिल कौशिक, कार्यवाहक उप निदेशक (HOPP.), करनाल
श्री सुरेश कुमार, उप निदेशक (कृषि) करनाल
श्री नवदीप हुड्डा, उप वन संरक्षक, करनाल
इं. पी.के. लूथरा, कार्यकारी अभियंता, नहरी क्षेत्र विकास प्राधिकरण (CADA), करनाल
डा. दिनेश कुमार शर्मा, निदेशक, के.मृ.ल.अ.सं. करनाल एवं अध्यक्ष ISSSWQ

आयोजन समिति (Organising Committee)

अध्यक्ष

डा. दिनेश कुमार शर्मा, निदेशक, के.मृ.ल.अ.सं. करनाल एवं अध्यक्ष ISSSWQ

सदस्य

डा. एस.के. गुप्ता, एमेरिटस वैज्ञानिक एवं उपाध्यक्ष, ISSSWQ
डा. जे.सी. डागर, एमेरिटस वैज्ञानिक एवं उपाध्यक्ष, ISSSWQ
श्री एच.सी. जोशी, निदेशक (राजभाषा), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली
डा. बख्शीराम, अध्यक्ष, गन्ना प्रजनन संस्थान, क्षेत्रीय केन्द्र, करनाल
डा. एस.एस. अटवाल, अध्यक्ष, भा.कृ.अनु. संस्थान, क्षेत्रीय केन्द्र, करनाल
डा. (श्रीमती) सरोज जयपाल, क्षेत्रीय निदेशक, ह.कृ.वि., क्षे.अ.के. उचानी, करनाल
डा. एल.आर. वर्मा, उप निदेशक, रा.बा.अनु.एवं वि. प्रति. (NHRDF), सलारू, करनाल
डा. जी.जी. राव, अध्यक्ष, के.मृ.ल.अ.सं. क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, भरुच (गुजरात)
डा. एस.के. शर्मा, अध्यक्ष फसल सुधार प्रभाग, के.मृ.ल.अ.सं. करनाल
डा. एस.के. कामरा, अध्यक्ष जलनिकास अभियांत्रिकी प्रभाग, के.मृ.ल.अ.सं. करनाल
डा. आर.एस. त्रिपाठी, अध्यक्ष प्रौद्योगिकी मूल्यांकन व प्रसार प्रभाग
डा. वी.के. मिश्रा, अध्यक्ष, के.मृ.ल.अ.सं. क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, लखनऊ (उ.प्र.)
डा. बी. माझी, अध्यक्ष, के.मृ.ल.अ.सं. क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, केनिंग टाउन (प.बंगाल)
डा. एस.के. चौधरी, अध्यक्ष मृदा व फसल प्रबंधन एवं चीफ एडीटर, ISSSWQ
डा. एस.के. अम्बस्ट, परियोजना समन्वयक, के.मृ.ल.अ.सं. करनाल
डा. ए.के. रेड्डी, अध्यक्ष केन्द्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान, क्षेत्रीय केन्द्र लाहली, रोहतक
डा. पी.सी. शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक एवं महा सचिव, ISSSWQ
डा. आर.एल. मीणा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं संगोष्ठी आयोजन सचिव

सूचना परिपत्र

राष्ट्रीय संगोष्ठी

कृषि एवं पर्यावरण : अवसर व चुनौतियाँ

(दिनांक : 13–14 मार्च 2013)

आयोजक

भारतीय मृदा लवणता एवं जल गुणवत्ता सोसायटी
(इंडियन सोसायटी ऑफ सोइल सेलिनिटी एण्ड़ वाटर क्वालिटी)
(ISSSWQ)

एवं

केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल

संगोष्ठी आयोजन स्थल

केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान
काछवा रोड, करनाल – 132001 (हरियाणा)

प्रस्तावना

भारत एक कृषि प्रधान देश है जिसकी 65 प्रतिशत जनसंख्या गाँवों में निवास करती है तथा कृषि व्यवसाय पर निर्भर है। जनसंख्या की दृष्टि से विश्व में भारत का दूसरा स्थान है। देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल के 43 प्रतिशत भाग में कृषि उत्पादन किया जाता है जिससे 65 प्रतिशत जनसंख्या को रोजगार प्राप्त होता है। भारत की बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए उपलब्ध भूमि व जल संसाधनों द्वारा आवश्यक खाद्यान्न उत्पादन करना एक बहुत बड़ी चुनौती है। विगत 4 दशकों के दौरान भारत का खाद्यान्न उत्पादन लगभग 3 गुना बढ़ा है। इस वृद्धि का 30 प्रतिशत कृषि योग्य भूमि के विस्तार से तथा 70 प्रतिशत वर्तमान फसलों की उत्पादकता में हुई बढ़ोतरी के कारण संभव हो पाया है। मृदा एवं जल संसाधनों का बेतहाशा दोहन होने के कारण इनके संरक्षण व प्रबंधन पर ध्यान देना आवश्यक है। खाद्यान्न उत्पादन के साथ–साथ पशुपालन, मछली पालन, मुर्गी पालन, बतख पालन आदि से किसानों की आय में बढ़ोतरी करके उनके जीवन स्तर में सुधार करने की आवश्यकता है। संसाधनों का क्षमता से अधिक दोहन होने से पर्यावरण को खतरा बढ़ता जा रहा है। जलवायु परिवर्तन, बढ़ता तापमान, अतिवृष्टि आदि महत्वपूर्ण विषयों पर संसाधनों के उचित प्रबंधन द्वारा होने वाले नुकसान पर काफी हद तक काबू पाया जा सकता है। विभिन्न शोधों से विकसित तकनीकी व अनुसंधान से संबंधित नीतियों तथा अन्य पहलुओं जैसे आपदा प्रबंधन, बीमा, पीपीपी, आइपीआर, जैविक सुरक्षा, कांट्रेक्ट फार्मिंग आदि द्वारा कृषि की भावी चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। वर्तमान में किये जा रहे शोध कार्य यह सिद्ध करते हैं कि निम्न–गुणवत्ता वाली मृदा व जल संसाधनों के उचित संरक्षण व प्रबंधन द्वारा खाद्यान्न उत्पादन में बढ़ोतरी करके करोड़ों देशवासियों के जीवन स्तर में सुधार लाया जा सकता है। विभिन्न संगठन इस दिशा में कार्यरत हैं परन्तु विकसित तकनीकी व अनुभवों को देश हित में सांझा करने की आवश्यकता है। इसी संदर्भ को ध्यान में रखते हुये इंडियन सोसायटी ऑफ सोइल सेलिनिटी एवं वाटर क्वालिटी ने केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान करनाल के साथ मिलकर संयुक्त रूप से एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करने की योजना बनाई है जिससे अनुसंधानकर्ताओं, योजनाकारों, किसानों तथा विकास से जुड़े अधिकारियों को एक मंच पर लाकर इन पहलुओं पर वृहद विचार–विमर्श करके प्रभावी अनुशंसा की जा सके।

संगोष्ठी के प्रमुख विचारणीय विषय निम्नांकित हैं–

1. मृदा एवं जल संसाधन प्रबंधन
2. फसल, उद्यान एवं कृषि वानिकी प्रबंधन
3. पशु पालन, दुग्ध उद्योग, मछली पालन
4. पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा स्रोत
5. कृषि अभियांत्रिकी, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि आधारित लघु उद्योग

शोध पत्र सारांश आमंत्रण

कृषि, पशुपालन, दुग्ध, मत्स्य, पर्यावरण से संबधित शोध पत्र सारांश हिन्दी में टाईप किये हुये (कृतिदेव–10 हिन्दी फॉंट) में दिनांक 02 मार्च 2013 तक संगोष्ठी आयोजन सचिव के पास भेजें। शोध पत्र सारांश स्मारिका में प्रकाशित किये जायेंगे।

शोध पत्र मौखिक व पोस्टर के रूप में प्रस्तुतीकरण हेतु स्वीकार किये जायेंगे। शोध पत्र सारांश (मौखिक व पोस्टर) दिये गये प्रमुख विषयों में से किसी भी विषय पर भेजे जा सकते हैं। हिन्दी में टाईप किया हुआ सारांश एक पृष्ठ (लगभग 250 शब्दों) का होना चाहिए। सारांश ई–मेल या पोस्ट द्वारा सोफ्ट कापी के साथ जमा कर सकते हैं।

शोध पत्र सारांश का अवलोकन करने के बाद जो शोध पत्र उच्च श्रेणी के पाये जायेंगे वही स्वीकार किये जायेंगे। शोध पत्र सारांश भेजते समय यह जरूरी है कि वे निर्धारित विषयों के अंतर्गत ही हों ताकि उनको संदर्भित श्रेणी में शामिल किया जा सके। शोध पत्र सारांश स्मारिका में भी प्रकाशित किये जायेंगे।

संगोष्ठी आयोजन स्थल

संगोष्ठी केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान काछवा रोड, करनाल में आयोजित की जायेगी। केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का एक उत्कृष्ट श्रेणी का संस्थान है जिसमें कृषि सम्बन्धी सुसज्जित प्रयोगशालाएं हैं। करनाल बस स्टैण्ड से 5 किमी तथा रेलवे स्टेशन से 3 किमी की दूरी पर यह संस्थान पश्चिमी यमुना नहर पार करनाल–काछवा रोड पर स्थित है। करनाल, सड़क व रेल यातायात से सीधा जुड़ा हुआ है। संस्थान राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 1 पर दिल्ली/नई दिल्ली से अम्बाला/चंडीगढ़ की ओर 125 किमी की दूरी पर स्थित है।

जलवायु

मार्च महीने के दौरान करनाल का मौसम बहुत सुहाना रहता है तथा औसत तापमान 25–30 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रहता है।

पंजीकरण शुल्क

संगोष्ठी में भाग लेने वाले सहभागी को पंजीकरण शुल्क अग्रिम जमा करवाना होगा जो नॉन रिफंडेबल व अहस्तांतरणीय होगा। विभिन्न श्रेणियों के लिए पंजीकरण शुल्क का ब्यौरा निम्न प्रकार है:

सहभागी	02 मार्च तक	02 मार्च के बाद
डेलिगेट	1500	2000
विद्यार्थी/किसान	800	1000
कम्पनी/उद्योग	2000	2500

पंजीकरण आवेदन पत्र शुल्क के साथ 02 मार्च 2013 तक डा. आर.एल. मीणा, संगोष्ठी आयोजन सचिव, केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, काछवा रोड, करनाल – 132001 (हरियाणा) के पास भेजें। आवेदन पत्र ई–मेल द्वारा rlmeena77@gmail.com पर भी भेज सकते हैं। आवेदन पत्र संस्थान की वेबसाइट www.cssri.org/issswq से भी डाउनलोड किये जा सकते हैं।

दर्शनीय स्थल यात्रा :

संगोष्ठी समाप्ति के बाद दिनांक 14.03.2013 को ऐतिहासिक धार्मिक नगरी कुरुक्षेत्र की यात्रा का प्रबंध किया जा सकता है जिसके लिए अपना अनुरोध पहले करने की कृपा करें।

पंजीकरण एवं शोध पत्र सारांश भेजने अथवा अन्य किसी भी जानकारी के लिए संपर्क करें:

डा. आर. एल. मीणा, संगोष्ठी आयोजन सचिव
केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान
काछवा रोड, करनाल – 132001 (हरियाणा)
ई मेल : rlmeena77@gmail.com
मोबाइल : 08053502547

डा. पी. सी. शर्मा, सचिव, ISSSWQ
केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान
काछवा रोड, करनाल – 132001 (हरियाणा)
ई मेल : pcsharma@cssri.ernet.in
मोबाइल : 09416296240